

उस आयातित माल पर लगे शुल्क को लौटाना, जिसे विदेश वापस किया जा रहा हो।

**शुल्कवृत्ति स्त्री.** (तत्.) कॉलेज से आर्थिक सहायता प्राप्त करने वाला स्नातक पूर्व विद्यार्थी।

**शुल्कशाला स्त्री.** (तत्.) शुल्क जमा करने का स्थान, चुंगीघर।

**शुल्काध्यक्ष पुं.** (तत्.) शुल्क लेने वाले विभाग का प्रधान अधिकारी, चुंगी का अध्यक्ष।

**शुल्काह वि.** (तत्.) 1. (वस्तु) जो शुल्क या कर लगाए जाने के योग्य हो 2. (वस्तु) जिसका शुल्क देय हो।

**शुल्ब पुं.** (तत्.) 1. तांबा, ताम्र 2. डोरी, रस्सी 3. यज्ञ-कर्म, यज्ञीय कर्म 4. आचार-विचार 5. जल का सामीप्य, जल का निकटवर्ती स्थान।

**शुल्ब पुं.** (तत्.) दे. शुल्ब।

**शुल्बज पुं.** (तत्.) पीतल।

**शुल्ब सूत्र पुं.** (तत्.) वैदिक यज्ञों की वेदी के निर्माण की रीति का वर्णन करने वाले प्राचीन सूत्र-ग्रंथ।

**शुल्बावरि पुं.** (तत्.) गंधक।

**शुश्रू स्त्री.** (तत्.) बच्चे की सेवा करने वाली माता, माँ।

**शुश्रूषक वि.** (तत्.) 1. सेवा-कार्य करने वाला 2. आज्ञा-पालन की क्रिया 3. कर्तव्यपरायणता 4. सुनने की इच्छा श्रवण-अभिलाषा। सेवा करने वाला, नौकर, दास।

**शुश्रूषण पुं.** (तत्.) 1. सेवा करने की क्रिया या विधि, परिचर्या 2. आज्ञा-पालन करना 3. कर्तव्यपरायणता 4. सुनने का इच्छा, श्रवण-अभिलाषा।

**शुश्रूषा स्त्री.** (तत्.) 1. सुनने की इच्छा, श्रवण-अभिलाषा 2. सेवा, खिदमतगारी 3. रोगी की देख-रेख, परिचर्या 4. आज्ञा-पालन 5. कर्तव्य परायणता।

**शुश्रूष वि.** (तत्.) 1. शुश्रूषा की कामना करने वाला 2. सेवा करने को उत्सुक 3. आज्ञाकारी 4. सुनने की इच्छा रखने वाला, श्रवण-अभिलाषी।

**शुषिर पुं.** (तत्.) 1. विवर, छेद, विवरयुक्त, सुराखों से भरा हुआ 2. अग्नि, आग 3. आकाश, वायुमंडल 4. लौंग 5. चूहा 6. वंशी आदि मुँह से फूँककर बजाया जाने वाला बाजा।

**शुषिरा स्त्री.** (तत्.) 1. नदी 2. पृथ्वी 3. नली नामक गंध द्रव्य 4. लौंग।

**शुष्क वि.** (तत्.) 1. जिसमें गीलापन न हो, आर्द्रता-रहित, सूखा 2. नीरस, रसहीन 3. स्नेह से रहित, निर्मोही 4. निष्प्रयोजन, निरर्थक, व्यर्थ, निस्सार।

**शुष्क कटिबंध पुं.** (तत्.) ड्राई बेल्ट।

**शुष्क काव्य पुं.** (तत्.) वह काव्य जो सरस या मनोरंजक न हो।

**शुष्क कृषि स्त्री.** (तत्.) सूखी खेती, असिंचित खेती टि. यह खेती की वह प्रणाली है जिससे उन स्थानों में भी कुछ फसल उत्पन्न कर ली जाती है जिनमें वर्षा अपेक्षाकृत बहुत कम होती है, जल के अभाव में सिंचाई की भी व्यवस्था नहीं हो सकती।

**शुष्क क्षेत्र पुं.** (तत्.) वितस्ता नदी के किनारे का एक पर्वत।

**शुष्क गर्भ पुं.** (तत्.) वात के कुप्रभाव से गर्भ सूख जाने संबंधी रोग।

**शुष्कता स्त्री.** (तत्.) 1. शुष्क होने की अवस्था, सूखापन, नीरसता 2. कठिनता 3. हृदयहीनता 3. व्यर्थता।

**शुष्कतापीय वि.** (तत्.) शुष्क और गर्म पर्यावरण में अनुकूलित प्रणाली वाल।

**शुष्क तुहिन पुं.** (तत्.) प्रकृति में हिमांक से कम तापमान पर गिरने वाली बर्फ।

**शुष्कन स.क्रि.** (तत्.) सुखाना, निर्जलीकरण, निर्जलीकरण प्रक्रिया, नमी सुखाने की प्रक्रिया, निर्जलीकरण से होने वाली शुष्कता।